कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

भारतीय पुष्प अनुसंधान संस्थान, पुणे में प्रक्षेत्र कार्यालय-सह-प्रयोगशाला भवन का कृषि मंत्री द्वारा लोकार्पण

किसानों की आय बढ़ाने के लिए फूलों के उत्पादो का वैल्यू एडिशन जरूरी - श्री तोमर

नई दिल्ली/पुणे, 4 जनवरी, 2022, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने भारतीय पुष्प अनुसंधान संस्थान में बुनियादी सुविधा के रूप में "प्रक्षेत्र कार्यालय-सह-प्रयोगशाला भवन" का लोकार्पण किया। इस अवसर पर श्री तोमर ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए फूलों के उत्पादो का वैल्यू एडिशन करना होगा, इसे ज्यादा से ज्यादा किसानों को अपनाना चाहिए व प्रोसेसिंग से भी जुड़ना चाहिए।

मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि फूलों की आवश्यकता देश की परंपराओं, धार्मिक-सामाजिक-राजनीतिक आदि आयोजनों के अनुसार आज भी है। फूलों के व्यापार में निर्यात की दृष्टि से भी काफी संभावनाएं हैं, वहीं हमारे देश की विविध जलवायु इतनी समृद्ध है कि फूलों की खेती काफी फल-फूल सकती है। उन्होंने किसानों को फूलों के मूल्यवर्धित उत्पादों जैसे गुलाब में गुलकंद और अन्य फूलों के उत्पादों को समयानुरूप परिवर्तित करने व मार्केट बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया, जिससे आय बढ़ सके।

श्री तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा कृषि क्षेत्र के विकास के लिए अनेक योजनाएं बनाई गई है। इनके साथ-साथ किसानों को तकनीकी रूप से भी सुदृढ़ होना होगा। फूलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही है। उन्होंने वेस्ट टू वैल्थ मिशन का जिक्र किया, साथ ही कहा कि कृषि उत्पाद वैश्विक मानकों पर खरे उतरने वाले होने चाहिए। ज्यादा से ज्यादा अनुसंधान के माध्यम से खेती को इस तरह से विकसित किया जाना चाहिए कि युवा इस ओर आकर्षित हो और नए रोजगार का सृजन हो सके। श्री तोमर ने कहा कि नई किस्मों के विकास व अनुसंधान में इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि फूलों की सुगंध कम नहीं हो क्योंकि खुशबू का अपना ही महत्व है।

राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी ने प्रयोगशालाओं में विकसित प्रौद्योगिकियों के खेतों में प्रसार का महत्व बताते हुए लैब टू लैंड पहल के माध्यम से किसानों के बीच किस्मों को लोकप्रिय बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बेहतर किस्मों व प्रौद्योगिकियां विकसित करने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के संस्थानों के वैज्ञानिकों की सराहना की।

इस अवसर पर आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्र, उप महानिदेशक (बागवानी विज्ञान) डॉ. ए.के. सिंह ने भी सभा को संबोधित किया। भारतीय पुष्प अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. के.वी. प्रसाद ने सभी का आभार माना। कार्यक्रम में बागवानी से जुड़े किसान, नर्सरीमैन, निर्यातक, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि और अन्य हितधारक मौजूद थे।